Sociology Hons.

B.A. Part-3

Paper - 5th

Remaining part : The law of three Stages.

3) Scientific Stage (विज्ञान वादी अवस्था या प्रत्यक्ष वादी अवस्था) :→ Comte का कहना है कि प्रत्यक्षवाद ज्ञान के विकास का तीसरा और अन्तिम स्तर है। इस स्तर का ज्ञान तथ्यों के अवलोकन, प्रयोग, और विश्लेषण पर आधारित है। Comte का कहना है कि विश्व को देखने को यह बुद्धि विधियों

का विशुद्ध मार्ग है। उसका कथन है कि -
घटनाओं के विश्लेषण क्रम में मस्तिष्क को सदा, अवलोकन, प्रयोग और वर्गीकरण पर केन्द्रित करना चाहिए और किसी भी घटना का विश्लेषण वैज्ञानिक पद्धति से ही करना चाहिए। जैसे - एक डाक्टर किसी मरे हुए व्यक्ति के बारे में तबतक कुछ नहीं कहता है जबतक उसका वह पूर्ण रूप से अवलोकन न किया हो वह उसके शरीर को चीरता है और उसके शरीर से यदि कोई चीज निकलती है तो वह उसकी जाँच करता है और तबतक यह निष्कर्ष निकालता है कि वह व्यक्ति की मृत्यु जहर खाने से हुई है।

तीन स्तरों की नियम की चर्चा करते हुए Comte ने कहा है कि उपरोक्त तीनों प्रकार के चिंतन का ढंग एक ही मस्तिष्क में या एक ही स्थान में अपना अलग-अलग अस्तित्व बनाये रख सकती है लेकिन तीनो प्रकार के चिंतन एक साथ हमेशा अपना अस्तित्व बनाये रखने में सफल नहीं रहते। Comte यहां स्वयं यहां स्वीकार करता है कि एक ही मस्तिष्क सबसे ज्यादा सरल और सामान्य नियमों के संदर्भ में प्रत्यक्षवादी स्तर का हो सकता है। बहुत ज्यादा जटिल और विशिष्ट विज्ञानों के लिए तात्विक स्तर का हो सकता है। साथ ही साथ समाज में हठ धर्मिता (Dogbatism) और Myths (अन्धविश्वास) मौजूद रहते हैं जो कि धार्मिक चिंतन के उदाहरण हैं Comte ने यह बतलाया कि ज्ञान का जैसे-2 विकास होता जाता है वैसे - वैसे सामाजिक संगठन के स्वरूप में परिवर्तन होता जाता जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक चिन्तन

Scanned with CamScanner

(8) के चलते सैनिक और राजतंत्रीय सामाजिक
संगठन का जन्म हुआ। जिसमें राजा को
ईश्वर का प्रतिनिधि माना जाने लगा। तात्विक
स्तर पर सामाजिक संगठन ~~का जन्म हुआ~~
और राज्य शक्ति के स्वरूपों में परिवर्तन
होता है। इस स्तर के चिंतन में पादरियों का
बोल बाला था। परिणाम स्वरूप पुरोहित वादि
की उत्पत्ति हुई। वैज्ञानिक चिन्तन औद्योगिक
समाज को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के
चिन्तन वाले समाज में भौतिक साधनों का
समान्तरण होता है। और भौतिकता का भी। इस
प्रकार Comte ने सामाजिक परिवर्तन की व्याख्या
मनुष्य के बौद्धिक विकास के आधार पर किया
है। ज्यों-ज्यों मानव के बौद्धिक विकास में वृद्धि
होती जाती है त्यों-त्यों समाज अपने परिवर्तन
के दौरान एक स्तर से दूसरे स्तर में प्रवेश
करता है।

आलोचना :→ Comte के इस सिद्धान्त की
आलोचना भी की गई है जो निम्नांकित
इस प्रकार है :—

(i) आलोचकों का कहना है कि यह सिद्धान्त Comte
के मौलिक चिंतन का परिणाम है। क्योंकि उसने
यह सिद्धांत तुर्गेत, कोंडरसेट और सेन्ट साइमन
के विचारों से लिया है। अतः Comte को एक
कुशल समन्वय कर्ता कहा जा सकता है मौलिक
चिंतन नहीं क्योंकि यह उतना ही अवैज्ञानिक
है जितना की धर्मशास्त्र। यह तथ्यों के
अवलोकन पर आधारित नहीं है और साथ ही
साथ यह तथ्यों की विशेषताओं और एक-
रूपताओं का वर्णन प्रस्तुत नहीं करता है।

(ii) इटालियन समाजशास्त्री प्लेटो (Plato) ने -
इसकी आलोचना करते हुए कहा कि मानव
सभ्यता का अध्ययन या मानवीय विकास का

Scanned with CamScanner

अध्ययन ज्ञात से अज्ञात की ओर करना - चाहिए। यानि वर्तमान के आधार पर भूत (Past) की व्याख्या होनी चाहिए।

(iii) Pareto ने उद्विकासीय सिद्धान्त को गलत - बतलाते हुए इसे सनेमेटोग्राफी (Cinematography) की संज्ञा दी है। जिस तरह सिनेमा में एक दृश्य के बाद दूसरा दृश्य आता है और तब हम पहले वाले दृश्य को नहीं देख पाते। ठीक उसी तरह उद्विकासीय सिद्धान्त दाताओं ने अपने सिद्धान्तों में विभिन्न स्तरों की चर्चा की है जो कि आलोचनीय है।

(iv) Comte ने प्रगति की उपर्युक्त अवस्थाओं को क्रमिक और एक दूसरे से सम्बद्ध बतलाया है किन्तु व्यावहारिक रूप में ये अवस्थायें एक दूसरे के बाद आती हो यह आवश्यक नहीं है।

(v) गिडिंग्स ने Comte के इस सिद्धांत की - आलोचना करते हुए कहा कि Comte चिंतन के केवल तीन ही प्रकारों का विश्लेषण कर पाया। किन्तु चिंतन की एक चौथी - सामाजीकृत अवस्था को प्रतिस्थापित नहीं कर पाया। सामाजीकृत चिंतन एक ऐसी प्रणाली को कहते हैं जिसमें केवल प्राकृतिक शक्तियों के उपयोग पर ही जोर नहीं दिया जाता। अपितु प्राकृतिक शक्तियां समाजी लक्ष्यों की प्राप्ति रचनात्मक वह समान्य पूर्ण समाजों की स्थापना और दूसरों के कल्याण के संदर्भ में जीवन का मूल्यांकन करने वाले व्यक्तियों के विकास के लिए उपयोग पर जोड़ देता है।

इन सारी आलोचनाओं के बावजूद भी समाजशास्त्रीय जगत में Comte के देनों को भुलाया नहीं जा सकता यह मान लिया जाता है कि Comte मौलिक चिंतक नहीं थे फिर भी बिखरे हुए ज्ञान के

Scanned with CamScanner

अंशों को एक सूत्र में पिरो कर उन्होंने
मानव समाज को समझने का प्रयास किया
जो अपने आप में सराहनीय कदम है।

End!

Scanned with CamScanner